

डब्ल्यूएचओ ने डमिंशिया के जोखिम को कम करने के लिये दशानरिदेश जारी किये

चर्चा में क्यों?

वशिव स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अगले 30 वर्षों में डमिंशिया के रोगियों की संख्या में तीन गुना वृद्धि होने का अनुमान लगाया है तथा इस बावत चेतावनी जारी की है।

प्रमुख बदि

- इस बीमारी के खतरे को कम करने के लिये डब्ल्यूएचओ द्वारा नयिमति व्यायाम करने, धूम्रपान न करने, शराब के सेवन से बचने, वजन को नयितरति करने, स्वस्थ आहार लेने तथा रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल और रक्त शर्करा के स्तर को सामान्य बनाए रखने की सलाह दी गई है।
- WHO के मुताबकि अगले तीन दशकों में डमिंशिया के रोगियों की संख्या में तेज़ी से वृद्धि होने की संभावना है। हमें डमिंशिया के जोखिम को कम करने के लिये सतर्क रहने की आवश्यकता है।
- इन दशा-नरिदेशों के लिये एकत्र किये गए वैज्ञानिकि प्रमाण इस बात की पुष्टि करते हैं कि दिलि और मसतषिक के लिये क्या अच्छा और क्या बुरा है।

क्या है डमिंशिया?

- डमिंशिया संज्ञानात्मक कार्य क्षमता (Cognitive Functions) का नरितर कम होना है। यह दमिग की बनावट में शारीरिक बदलावों (उमर के बढ़ने) के परिणामस्वरूप होता है।
- ये बदलाव स्मृति, सोच, आचरण, बोधगम्यता तथा मनोभाव को प्रभावति करते हैं।
- डमिंशिया वभिन्न प्रकार की बीमारियों जैसे- अल्जाइमर रोग या स्ट्रोक तथा चोटों के कारण होता है जो कि मसतषिक को प्रभावति करते हैं।

अध्ययन का आधार

- WHO के ये दशा-नरिदेश अध्ययन पर आधारति हैं जो स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिये महत्त्वपूर्ण हैं इसके माध्यम से रोगियों में संज्ञानात्मक गरिवट और डमिंशिया को रोकने में मदद मलि सकती है।
- WHO ने 'आई सपोर्ट' (iSupport) कार्यक्रम तैयार किये है जो एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसके तहत देखभाल से संबंधति समग्र प्रबंधन, व्यवहार परिवर्तन से निपटने तथा स्वयं स्वास्थ्य की देखभाल करने की सलाह के साथ डमिंशिया से पीड़ति लोगों की देखभाल की जाती है।
- डमिंशिया के लिये जोखिम वाले कारकों में कमी लाना डब्ल्यूएचओ की वैश्विकि कार्रवाई योजना में शामिल है।
- WHO के इस कार्यक्रम के अन्य कषेत्रों में शामिल हैं- डमिंशिया के लिये सूचना प्रणाली को मज़बूत करना, नदिान, उपचार और देखभाल, डमिंशिया के रोगियों की देख-रेख करने वालों की सहायता तथा अनुसंधान और नवाचार।

डमिंशिया रोगियों का तेज़ी से बढ़ना

- डमिंशिया तेज़ी से बढ़ती सार्वजनिकि स्वास्थ्य समस्या है जो वशिव स्तर पर लगभग 50 मिलियन लोगों को प्रभावति करती है। यह वृद्ध लोगों में अक्षमता और दूसरों पर नरिभरता का प्रमुख कारण है।
- प्रतविर्ष इस रोग के लगभग 10 मिलियन नए मामले सामने आते हैं। इसके अतरिकित, यह बीमारी समाज पर एक भारी आर्थिकि बोझ के रूप में उभर रही है। 2030 तक डमिंशिया रोग से पीड़तियों की देखभाल की लागत सालाना 2 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है।

वशिव स्वास्थ्य संगठन

- वशिव स्वास्थ्य संगठन (WHO) संयुक्त राष्ट्र संघ की एक वशिष एजेंसी है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिकि स्वास्थ्य (Public Health) को बढ़ावा देना है।

- इसकी स्थापना 7 अप्रैल, 1948 को हुई थी। इसका मुख्यालय जनिवा (स्विट्ज़रलैंड) में अवस्थित है। डब्ल्यू.एच.ओ. संयुक्त राष्ट्र विकास समूह (United Nations Development Group) का सदस्य है। इसकी पूर्ववर्ती संस्था 'स्वास्थ्य संगठन' लीग ऑफ नेशंस की एजेंसी थी।
- यह दुनिया में स्वास्थ्य संबंधी मामलों में नेतृत्व प्रदान करने, स्वास्थ्य अनुसंधान एजेंडा को आकार देने, नयिम और मानक तय करने, प्रमाण आधारित नीतित्व विकल्प पेश करने, देशों को तकनीकी समर्थन प्रदान करने और स्वास्थ्य संबंधी रुझानों की नगिरानी और आकलन करने के लिये ज़म्मेदार है।
- यह आमतौर पर सदस्य देशों के साथ उनके स्वास्थ्य मंत्रालयों के ज़रिये जुड़कर काम करता है।

स्रोत : द हट्टि तथा वशिव स्वास्थ्य संगठन की ऑफसियल वेबसाइट

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/who-issues-guidelines-to-reduce-risk-of-dementia>

